PRESENTED TO

BY

विकाश कालरा

जीवन एक सोच मत

...एक जीवन.... चल मीठे पानी की तरह, एक जीवन चल ठंडी हवा की तरह, एक जीवन, चल मधुर संगीत की तरह...

One life... let it flow like sweet water
One life... let is blow like cool breeze
One life... let it sway like sweet music

For you.

...नये के साथ दर्द भी अच्छा
पुराने के साथ आराम मगर
धीरे-धीरे आत्महत्या...
और कुछ नहीं...

Pain is good with the new
So is relaxation with the old
But it is slow suicide... nothing else

जीवन एक खेल,
खेल से ज्यादा
मत ले..
ज्यादा लिया तो
उलझे, नाटक
समझ,
अभिनय कर......

Life is a play,
Do not give it more than a play
If you give more, frustration may come
Take it just as a play and keep acting.

जीवन एक सोच मत

यह पुस्तक मेरे वर्षो के अनुभवों का निचोड़ है। जो मैनें अपने जीवन में सीखा है। अपने अच्छे और बुरे दोनो तरह के अनुभवों से जो मुझको मिल सका, मैं आपके साथ बांटना चाहता हूं।

“मैरे पास मेरा अपना दीपक है। जो मेरे कदमों को सही राह दिखाता है और वह है अनुभव का दीपक।” मैं नही जानता की हमारे पास भविष्य में निर्णय लेने के लिए अपने अनुभव के सिवाय कोई और तरीका है।

मैने इन शब्दों को सच्चाई से सीखा है।

मैं व्यावहारि व्यक्ति हूं। करके सीखने में और सीखकर करने मे मुझे हमेशा आनंद आया है। मैने अपने हिस्से की गलतियां भी की है, परंतु भगवान की कृपा से ज्यादातर बार मैं सफल हुआ हूं। मैं आशावादी हूं, हालांकि मै कई बार नादानी भी कर जाता हूं। परतुं मुझमें दृढ़ संकल्प कूट-कूट कर भरा है और मै हारने के बाद भी हिम्मत नही हारता हूं। बहुत पहले ही मैने यह सीख लिया था कि आशा जीवन में अनिवार्य है। और यह सफलता का आवश्यक गुण है।

मैं बस हर दिन अपने काम पर गया, मैने अपनी क्षमताओं के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ काम किया और भगवान पर भरोसा किया। और मैने अपने सपनों में, साथ जुड़े लोगों मे और भगवान में कभी आशा नही छोड़ी।

अनुभव सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।

पिता की मृत्यु के बाद माँ का संघर्ष, फिर हमारा संघर्ष कुछ पाने और बनने का।

हर किसी को अपने जीवन में किसी न किसी संकट का सामना जरूर करना पड़ता है, तो यह जरूरी है कि आप उसके लिए तैयार हो। आपको भगवान में आस्था की आवश्यकता होगी, साथ ही आपको पर्याप्त आंतरिक शक्ति की भी आवश्यकता होगी, जो आपको उस मुश्किल समय से बाहर निकाल पाये। सबसे बड़ी बात कि आपको आशा की जरूरत होगी।

मेरी कवितायें, मेरे जीवन दर्शन, मेरी घटनाएं, मेरे अनुभव के इर्द-गिर्द घुमती है।

मैं प्रार्थना करता हूं कि मैने अपने अनुभव से जो सीखा है वह आपके लिए जीवन की राह में आशा का दीपक बन जाएं।

विकाश
फरवरी २०१५

One Life, Don't think..

This book is a distillation of my experiences. Whatever I have learnt in my life. Whatever good and bad experiences I have had I wish to share with you.

"I have an inner light which guides me on the right path, and that is the light of my experiences" I do not know if there is any other way for us to take decisions for our future, apart from our own experiences.

I have learnt these words in truth.

I am an business minded person. I have always found joy in doing something and learning and learning something and doing. I have made my share of mistakes too, but thanks to God I have been mostly successful. I am an optimist though many a times I have been foolish. But I am blessed with a strong motivation and even when I have lost, I never lose courage. I have always known that Hope is invincible and that it is the prime ingredient of success.

I just went to work everyday, did my work as diligently as I could optimally, and put my faith in God. Also, I have never lost faith in my dreams, the people I am connected with and my God.

Experience is the best teacher.

The struggles of my mother and my own struggles after the death of my father, to achieve something in life.

Everyone faces some or the other problem in their lives, and it is necessary to be prepared for such struggle. This would require one to have faith or a belief in God and an innate self belief which would help in getting one through the problem faced. But the most important element needed is Hope.

My poems are the essence of my life's perspective, the happenings in my life and my experiences.

I pray that whatever I have learnt through my experiences in life, prove to be a hopeful guiding light in your lives.

Vikash
February 2015

आभार

यह पुस्तक लिखने में बहुत लोगो ने मेरी मदद की, सब लोग जिन्होंने मुझको साथ बिठाया या बाहर खड़ा किया, विश्वास किया या नही किया, प्यार किया या नही किया, मेरी बात सुनी या नही सुनी, जीवन में कुछ बनने की कुछ होने की इच्छा पैदा की, मैं तहेदिल से उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मै अपनी प्रिय पत्नी किरन का सबसे अधिक आभारी हूं, जिन्होने इस पुस्तक के सारे अनुभवों को मेरे साथ जिया है। उन्होने कई बहुमूल्य सुझाव दिये।

मैं कुछ अन्य लोगों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने विभिन्न रूपो में इस पुस्तक में अपना योगदान दियाः- मेरा भाई हिमान्शु, हमारे बच्चें - राघव, माधव, अभय, उदय, करन, कबीर, बहुल, अंकुर और अर्चना प्रेस के अदभुत कर्मचारी।

मेरी माँ का जीवन और उसका संघर्ष

मुझे आशा है कि यह पुस्तक पाठको के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होगी, जिस तरह सौभाग्य से मुझे किरन तथा अन्य लोग मिले, जिन्होंने इसे लिखने में मेरी मदद की।

Acknowledgments:

This book has become a reality due to the support and help of many people, some who sat with me and others who made me wait outside, whether they believed in me or not, loved me or not, listened to my words or not, but urged me to strive for something in life, to be someone in life, I wish to thank all of these people from the bottom of my heart.

I would like to thank my dear wife, Kiran, who has been my pillar of strength during the writing of this book and also sharing my experiences, and for her invaluable suggestions during the making of the book.

I would like to thank certain other people who have helped the making of this book in various ways : my brother Himanshu, our children - Raghav, Madhav, Abhay, Uday, Karan, Kabir, Bahul, Ankur and the remarkable employees of Archana Press.

I dedicate this book to my dear Mother and all her struggles.

I hope this book this book is fortunate for every reader, the same way it has brought me fortune in the form of Kiran, and other people who have helped me in the writing of this book.

विषय सूची

जीवन एक सोच मत
14-15
हाथ पकड़े विश्वास का
20
आज एक नई सुबह
25
मैं मर गया था
28-29
क्या अधिक ?
31-33
सुनने आया हूँ
36-37
जीवन का संघर्ष
40-41
एक
44-45
मैं नहीं मिलता
46

विषय सूची

काश
49
प्रयास
50
उत्तर क्या... मौन
54-55
अनुभव
56-57
जिंदगी से प्रेम
58-59
आज मिला एक मारने वाला ...सीधा
61-62
नाटक समझ अभिनय कर
68-69
अपने ही ख्यालो में खोया हुआ
74-75
बच्चे चिड़ियां के
80-83

नया कोई
बुलाता तुझको
पुराना रखता तुझको

Someone new is calling you
And something old is keeping you.

जीवन एक सोच मत

पुराना छोड़
नया पकड़ो
मत अड़
डगर बहुत लम्बी
जीवन की
जीवन एक
साथी अनेक
जहां जीवन, उसे पकड़
फिर छोड़ मत
जीवन एक
एक जीवन
चल मीठे पानी की तरह!
एक जीवन
चल ठंडी हवा की तरह।
एक जीवन
चल मधुर संगीत की तरह
चल रूक मत

जीवन एक सोच मत
जहां मिले जीवन
रूक, बैठ..... सो.....सोच
फिर रूक बैठ सो सोच
नया कोई बुलाता तुझको
पुराना सम्भालता तुझको
रूक मत
जीवन एक सोच मत
नया उड़ना है
पुराना सोचना है
हंसना है रोना है
बच्चे है, फूल है
दोस्त हैं, खुशबू है
प्रेमिका है, जीवन है
सोच मत,
जीवन एक, सोच मत
नया कोई बुलाता तुझको
पुराना सम्भालता तुझको
जीवन एक सोच मत...

I do it for me

One life.. Do not Think
Ring out the old
And bring in the new
Do not get stuck
The path of life is too long
Life is one; only one
But friends are many
Wherever life is hold it tight
Do not leave then
Life is one; only one
Let it flow like sweet water
One life, let it blow like cool breeze
One life, let it sway like sweet music
Move on, do not stop
One life and many thoughts
Wherever life is, stop
Sit, sleep and think
Yet again stop, sleep and think

Something new is calling you
Something old is keeping you
Do not stop
One life, do not think
Fly the new and
Think the old
One has to laugh and one has to cry
There are children and flowers
There are friends and there is fragrance
There is a beloved and there is life
Do not think
One life, do not think
Something new is calling you
Something old is keeping you
One life, do not think.

दिन खत्म हो
रहा है, रात
पास आ रही है,
मंजिल का पता
नहीं...

Holding the Hand of Trust
Holding the hand of trust, I walk
Will I reach my destination?
Or will I keep wandering?
What is it today?
Sorrow: is a long story
When it goes, what it brings
What are you waiting for?
Pain or a little tranquillity
Peace and a little love
Simplicity too
Every day I say this much
Hey there! Stop for a while
Come, sit and rest for a while
But..
The day is getting over
Night is coming closer
Do not know my destination
Yet I walk
Holding the hand of trust

हाथ पकड़े विश्वास का

हाथ पकड़े विश्वास का,
चल रहा है,
पहुँच पाऊँगा, मंजिल पर?
कि भटकता ही रहूँगा,
आज क्या है?
दुखः की लम्बी कहानी,
कल जाने, क्या लिए
बैठा हुआ हो....
दर्द भी
या चैन भी कुछ
शांति भी कुछ प्रेम भी कुछ
सरलता भी,
हर रोज यह कहता हूँ कि,
रूक जाओ
थोड़ा आराम कर लो
मगर....
दिन खत्म हो रहा है,
रात पास आ रही है,
मंजिल का पता नहीं
चल रहा हूँ
हाथ पकड़ कर विश्वास का

अपने जीवन का

हिमालय

पाना है

Gaining the Himalaya of
One's Own Life

Today is a new dawn
Today is a new sun
Today is a new breeze
Today is a new nation
Today is a new society
Today is a new excitement
Today is a new life
Today is a new imagination
Need to gain a new life, yes
Leave all those decayed past
Capture the new
Today is a new sun
Look at it
Understand it
Appreciate it
Then walk with trust
We have to gain the Himalaya
Of our own lives
And see the valleys
Standing at the peak of it
Appreciate it that
Today is a new dawn
Today is a new sun
And Today is a new life.

आज एक नई सुबह

आज एक नई सुबह
आज एक नया सूरज
आज एक नई हवा
आज एक नया देश
आज एक नया समाज
आज एक नया जोश
आज एक नया जीवन
आज एक नया संकल्प
पाना है नया जीवन बस
छोड़ दो सब पुराना सड़ा हुआ
पकड़ नया
आज एक नया सूरज
देख उसको
समझ उसको
महसूस कर
और चल विश्वास के साथ
पाना है
हिमालय अपने जीवन का
देखना है खड़े होकर
शिखर पर,
महसूस करना है
आज एक नई सुबह
आज एक नया सूरज
आज एक नया जीवन।

मै मर.... ..गया था

शाम के छह बजे थे.........दो लोग
सफेद चादर ले कर आए,
मै मर गया था
मौसम थोड़ा गरम
बच्चे अपना खेल रहे थे,
बीवी नहा रही थी
मैं मर गया था...
मेरे स्टूडिओ के सामने वाले पेड़
पर सारे पंछी वापस घर आ रहे थे
शाम के छह बजे थे,
दो लोग
सफेद चादर ले कर आए,
मै मर गया था ....
बाहर का शोर जारी था
सारी दुनिया चल रही थी

मेरी सारी प्यास मेरी सारी लड़ाई
सारी लालसा
सारे सपने
सारे दोस्त
सारे दुश्मन
सब लेन-देन
लोगो की मुझसे लड़ाई
मेरी लोगो से लड़ाई
सब खत्म
शाम के छह बजे थे,.........दो लोग
सफेद चादर ले कर आए,
मै मर गया था

I WAS DEAD

It was six in the evening
There came two people
Bringing a white shroud along
I was dead
The air was a bit hot
Children were playing
Wife was taking a bath
I was dead...
On the tree in front of my studio
Birds were coming back to roost
It was six in the evening
There came two people
Bringing a white shroud along
And I was dead..
The noises out there were on
And the world was on its move
All my thirst and all my fights

All my pleasures and dreams
All my friends
All my enemies
All those give and takes
The people who fought with me
And the people I fought with
Everyone and everything was over
It was six in the evening
There came two people
Bringing a white shroud along
And I was dead.

To gain a life it is better to leave one
I left it and watched it
There is nothing to it; to this life

...पाने को,
इस जीवन
को खोने की
ही राह सही

पा के
देखा इस
जीवन को
इस जीवन
की कोई बात
नहीं..

क्या अधिक ?

क्या बताऊँ इन आँखों में
पानी अधिक या प्यास अधिक है,
पानी भरे जो बादल गगन में
उमड़े आँसू इस धरती पे,
नहीं जानता इन आँखों में,
पानी अधिक या प्यास अधिक है,
क्या बतलाऊँ इन आँखों में
पानी अधिक या प्यास अधिक है,
पल भर में आ जाती है होठों पे मुस्कान
और दूसरे पल आँखों से बहती, पानी की
धारा...
क्या बतलाऊँ इन आँखों में
पानी अधिक या प्यास अधिक है,
धूप-छाँव सी आशा-निराशा,
पल में आती, पल में जाती,

कहानी बन रह जाता हूँ
सपने भी खो जाते हैं।
क्या बताऊँ अधिक निराशा
या उसमें विश्वास अधिक,
क्या बताऊँ इन आँखों में
पानी अधिक या प्यास अधिक है,
पाने को, इस जीवन को
खोने की ही राह सही
पा के देखा इस जीवन को
इस जीवन की कोई बात नहीं
क्या बताऊँ असली-अधिक या नकली
अधिक?
क्या बताऊँ इन आँखों में पानी अधिक
या प्यास अधिक!

WHAT'S MORE?

What resides there in these eyes,
What could I say, more water or more thirst?
Those water laden clouds in the sky
Shed tears on this earth
I do not know, water or thirst
That resides in these frightened eyes
What resides there in these eyes,
What could I say, more water or more thirst?
In a flash of moment a smile comes to your lips
And in the next, tears flow down from your eyes
What resides there in these eyes,
What could I say, more water or more thirst?
Like sunlight and shadows hope and despair
Come in a moment and vanish the next

I make my stories
And the dreams are lost
What can I say, in those stories
Is there more despair or trust?
What resides there in these eyes,
What could I say, more water or more thirst?
To gain a life it is better to leave one
I left it and watched it
There is nothing to it; to this life.
What can I say,
Is there more original or fake?
What resides there in these eyes,
What could I say, more water or more thirst?

न होठों से
बन रहे शब्द

न कानों तक
जा रहा शोर

Nothingness/Empty

What she said cannot be said
I have come to hear that
I closed my eyes and she too closed her eyes
And we sat..she said
I have come to hear that
What cannot be said
My eyes were closed and I was quiet
She too did the same and quiet
We lost ourselves in some fun
Far away....in nothingness
We fused into one in that nothingness
But there were no noises/voices
Words were not forming on the lips
Voices were not reaching the ears
But there was something for sure
Like in some universe of moon and stars
We sunk in the ocean of a galaxy
Eyes were closed but tears trickled down
For almost half an hour
Later we both got up and saw each other
Strange meeting and a beautiful meeting
Nothingness as we were with no words
Of course there were tears in that meeting
She said, I have to come listen to that
Which cannot be said or heard.

शून्य

उसने कहा जो कहा नही जा सकता..
वह सुनने आया हूँ,
मैने आँखे बन्द कर ली उसने भी आँखे बन्द कर ली
और बैठ गए....
उसने कहा, जो कहा नही जा सकता,
वह सुनने आया हूँ
मैं चुप और आँखे बन्द,
वो चुप और आँखे बन्द,
हम दोनो किसी मस्ती में खो गए,
कहीं दूर ..... शून्य
शून्य में दोनो का मिलन होने लगा...
मगर शब्द नहीं थे...
न होठों से बन रहे शब्द,
न कानों तक जा रहा शोर
मगर कुछ जरूर था....
जैसे किसी, चाँद तारों की दुनिया में,
मै और वो डूबे हो, आँखे बंद आँसू बह रहे थे
करीब आधे घण्टे.... बाद,
दोनो उठे मिलन हुआ,
अनोखा मिलन सुन्दर मिलन
शून्य दोनो कोई शब्द नही,
आँसू थे बस सुन्दर मिलन....
उसने कहा जो कहा नही जा सकता,
वो सुनने आया हूँ....

अपना अस्तिव
खो कर

झरने से गंगा
बनने की कहानी,

झरने से गंगा
होने की दिवानगी

जीवन का संघर्ष

पानी निकलता पहाड़ों से
उड़ता मचलता, खेलता
लड़ता संभलता
संभालता
देखता दिखाता
गिरता, उठता, रोन्दता
लगातार २४ घंटे चलता
चिल्लाता
मचलता बनने को गंगा
अपना अस्तिव खो कर
झरने से गंगा बनने की कहानी,
झरने से गंगा होने की दिवानगी

वो तकलीफ
वो दर्द
सब भूल कर बहता
मिलने को सागर से
ये है जीवन
जीवन का संघर्ष
अगर रूकता तो नहीं
बनता गंगा न होता सागर
इसलिए
चलता, चलता
सिर्फ चलता २४ घंटे लगातार

THE STRUGGLE OF LIFE

Water comes out of the mountain
Flows dancing down, playing
Fighting, taking care of itself
And taking care of others
Seeing and showing
Falling, getting up and
For all round twenty four hours
Shouting and screaming
To become Ganga
To shatter one's own existence;
The story of becoming Ganga
The desire to become the stream of Ganga

That effort
That pain
Forgetting all those
I flow to meet the ocean
That is life
The struggle of life
If I stop, I would not become Ganga
Nor the sea
Therefore I keep moving
Moving, twenty four hours
Non-stop.

जीवन तो उत्सव है,

नृत्य और गीत भरा,

एक

एक किरन काफी है, सूरज तक जाने की,
एक डगर काफी है, मंजिल तक आने की,
जीवन तो उत्सव है,
नृत्य और गीत भरा,
इसको हम स्वीकारे,
जीकर तो देखे हम,
माना है काटे,
पर फूल भी कम नहीं,
एक गंध काफी है,
बगीचे में जाने को
एक किरन काफी हैं,
सूरज तक जाने को
एक डगर काफी है
मंजिल तक आने को
माना है,
आंधी तूफान का शोर बड़ा

जीवन का सागर,
संगीत भी सुनाता है
एक प्यास काफी है
सागर तक जाने को
एक प्रार्थना काफी है
प्रभु दर्शन पाने को
एक किरन काफी है, सूरज तक जाने को,
एक डगर काफी है, मंजिल तक आने को,
जीवन तो अवसर है,
जीने पर निर्भर सब,
शब्दों को गाली में
बदले या गीत कहे
श्राप नहीं जीवन
वरदान है, विधाता का
इसके रस में डूबे,
एक अंगार काफी है,
क्रांति उठाने को
एक लगन काफी है
मुक्त पाने को
एक किरण काफी है, सूरज तक जाने को
एक डगर काफी है, मंजिल तक आने को

One

One ray is enough
To reach out to the sun
One path is enough
To reach the destination
Life is a festival
Full of music and dance
Let us welcome it
Let us live and see it
Deem it full of thorns
But flowers too are not less
One fragrance is enough
To take one to the garden
One ray is enough
To reach out to the sun
One path is enough
To reach the destination.
Deem it, loud are the noises
Of Storm and typhoon
The ocean of life
Play out music too
One thirst is enough

To reach up to the ocean
One prayer is enough
To see the vision of Lord
One ray is enough
To reach out to the sun
One path is enough
To reach up to the destination.
Life is a chance
Let us live it all full
Words could be turned into
Expletives or lyrics
Curse is not life but a boon
Let us drown in the essence of it
For a revolution to rise
Only an ember is needed
Diligence is what is needed
To attain deliverance
One ray is enough
To reach out to the sun
One path is enough
To reach up to the destination.

मैं नही मिलता

मिला है, सब कुछ,
मैं नही मिलता
मिलता है तू तो,
मैं नही मिलता,
प्यार मिलता है,
चाय-चावल, दाल
नमक, सब्जी सब मिलता है
मैं नही मिलता
भगवान मिलता है
भगवान से मिलाने वाला मिलता है
दिल मिलता है
जीवन मिलता है,
पर मैं नही मिलता,
मैं एक अकेला
तन्हा तो मिलता है
सब में मैं नही मिलता
मिलता है सब कुछ
मैं नही मिलता

I do not get to see myself
I have gained everything
But have not got my own self
I meet you but I do not meet me
I gain love, rice, tea and lentils
Salt and vegetables,
I get to have everything
But I do not get to see myself
I meet god
I meet the mediators of god
I gain heart, life but
I do not meet my own self
I am a loner
I meet loneliness
But I do not see myself in everything
It is easy to get everything
But I do not get to meet myself.

What If

Someone laughs
When she comes to me
Someone cries
When she comes to me
Telling me,
'You are the river
And you are the mountain
You are my ocean and
You are my cool breeze'
Someone laughs
When she comes to me
Someone cries
When she comes to me
When she goes back
And climbs down my steps
Taking a hope along
That she would gain a life
With that someone laughs
When she comes to me
And someone cries
When she comes to me
If I could go somewhere
And climb down steps
Holding on to a hope
And could see it aloud
'You are my river,
You are my river
You are my ocean
And you are my cool breeze'
What if..
Someone laughs
When she comes to me
Someone cries
When she comes to me

काश...

कोई हँसता है मेरे पास आ के
कोई रोता है मेरे पास आ के
कहता है नदी तू पहाड़ तू
सागर तू ठंडी हवा तू मेरी
कोई हँसता है मेरे पास आ के
कोई रोता है मेरे पास आ के
जब वो जाता है
उतरता है सीढ़ी मेरी
लेकर एक उम्मीद
मिलेगा एक जीवन
जीवन के साथ
कोई हँसता है मेरे पास आ के
कोई रोता है मेरे पास आ के
काश हम भी जा पाते कहीं
और उतरते सीढी
एक उम्मीद लेकर
और कह पाते
नदी तू
पहाड़ तू
सागर तू
ठंडी हवा तू
मेरी
काश.............
कोई हँसता है मेरे पास आ के
कोई रोता है मेरे पास आ के

Effort..

Sea waves dash against the shores for thousands of years,
the waves keep coming, dashing against the shore and return,
retract and go back only to return,
Life too rises and falls and dashes like the waves since
infinity,
surely like the sea waves, life too wants to rise and reach
somewhere higher,
but they dash against the shores and are destroyed..
The ocean called Life has been dashing time and agin,
putting up a fight,
rising and falling every day..
what could be the reason for this?
Surely the reason behind this is its effort to touch the sky,
an effort to fathom the depth of it..
definitely the effort is to see if this one life creates a better
life for the future..

प्रयास

समुद्र की लहरें आकर टकरा रही है,
समुद्र के तट से हजारों लाखों वर्षों से
लहरें आती है, टकराती है लोट जाती है
फिर आती है, टकराती है और लौट जाती
है, जीवन भी हजारों वर्षों से अनंत अनंत
लहरों से टकरा कर उठती और गिरती
है जरूर कही उठना चाहता है वह समुद्र
की लहरें, जीवन की ये लहरे कही ऊपर
पहुंचना चाहती है, लेकिन किनारे से
टकराती है और नष्ट हो जाती है। यह
जीवन का सागर इतने अरबों सालों से
टकरा रहा है संघर्ष ले रहा है रोज उठता
है गिर जाता है, क्या होगा इसके पीछे
का कारण? जरूर इसके पीछे कोई बड़ी
ऊँचाई छूने का प्रयास चल रहा है, इसके
पीछे कुछ और गहराई जानने का प्रयोजन
चल रहा है जरूर जीवन की परिक्रिया
के पीछे और महान जीवन पैदा करने का
प्रयास चल रहा है।

सब कटता है
धीरे-धीरे, निकलता
है बाहर
विधि अनुसार, एक
के बाद एक
जैसे खोदते कुआं,

पहले कंकड़ पत्थर
फिर कूड़ा-कर्कट,
फिर सूखी जमीन
फिर कीचड़,
फिर जल
मीठा पानी, सबके
लिए....

उत्तर क्या... मौन

प्रश्न तो बहुत है
उत्तर क्या है
उत्तर तो है
पर कीमत चुकानी पड़ती हैं
उत्तर है
..... मौन
जब बोलना बन्द
वाणी खो जाए
शून्य हमारे अन्दर
मौन हमारे अन्दर
सब प्रश्नों का उत्तर एक
.... मौन
उस मौन में शांति है
सुख है
परम आनंद है
प्रश्न तो बहुत है
पर उत्तर एक
... मौन
मौन में आनंद है
जीवन का अनुभव है
सब कटता है धीरे-धीरे

निकलता है बाहर
विधि अनुसार
एक के बाद एक
जैसे खोदते कुआं
पहले कंकड़ पत्थर
फिर कूड़ा-कर्कट
फिर सूखी जमीन
फिर कीचड़
फिर जल
मीठा पानी
सबके लिए
प्रश्न तो बहुत है
पर उत्तर एक
... मौन
फूल चुप
कांटे चुप
माली चुप

प्रश्न अपने आप में
रहता मौन
सूरज चुप, राते चुप
अंधेरा जैसे चुप, मौन
कोई नही बोलता
न मैं न तू
मेरे प्रश्न सब खतम
शून्य की अवस्था
अपने मौन में ही
अपना बुद्ध है
मेरा शिव है
मेरा कृष्ण है
मेरा खत्म

मेरे मौन में मैं भी खत्म
मौन तो शून्य है
मौन तो उत्तर है
जीवन का
सब कटता है
सब धुलता
सब बहता है, मौन में
प्रश्न तो बहुत है
पर उत्तर एक
... मौन

What's the answer...Silence

There are a lot of questions
But what is the answer
There is an answer
But you will have to pay
The answer is....silence
When you cease to speak
You lose the goddess of speech
Inside us there is emptiness
Silence inside us
The answer of all questions
Is the same.....silence
There is peace in that silence
There is comfort and bliss in it
There are enough questions
But there is only one answer...silence
There is bliss in silence
There is the experience of life
Everything breaks one by one, slowly
And come out, by providence
Like digging a well;
First tough rocks,
Then rubbish, rejects
Then the dry sand, then mud
And then water, sweet water

For everyone
There are enough questions
But only one answer...silence
Flowers silent, thorns silent
Gardener silent,
Questions remain silent
In themselves
Silent is sun and night is hushed up
Like thick darkness silent is silence
None talks, neither me nor you
My questions are over
The state of emptiness
In our silence itself
Resides my Buddha, my Shiva
My Krishna, my end too
In my silence I too end
I am emptiness
Silence is emptiness
Silence is the answer of life
Everything breaks, everything cleans
Everything flows in silence
There are enough questions
But answer is one.....silence.

अनुभव..

जो नहीं दिखाई पड़ता,
उसे देखना है
जो नही विचार मे आता
उसका अनुभव करना है...
तो आँखे बंद करके देखना होगा
आँखे खोलकर तो संसार दिखता है
देखना है
ऊर्जा गंगा की !
कहां ले जाती है
देखना है
ठंडक चांद की !
कैसे सुलाती है
देखना है
गरमी सूरज की
कितना तपाती है
देखना है
शांति झील की
क्या मन शांत करती है
देखना है
आग क्रोध की
क्या क्या जलाती है
सब देखना है
जो नहीं दिखाई पड़ता

जो नहीं विचार में आता
अच्छा, बुरा
कुछ नहीं
सब अनुभव .....
अपना रास्ता खुद बनाना है
जो भी करना है
खुद करना है
जो भी बनना है
खुद बनना है
जहां भी जाना है
खुद जाना है
जो भी जानना है
खुद जानना है
हमारे ही अंदर
हमारा शून्य है
हमारा प्रकाश
इसके देखना है
जो नहीं दिखाई पड़ता,
उसको सोचना है
पाना है
शांत
शून्य
मौन
अपना

Experience

The one that cannot be seen
Is to be watched
The one that does not come to thoughts
Is to be experienced
Closing the eyes one has to look
Open the eyes, you see the world
Want to see the power of Ganga!
Where does it take me
Want to see the cool of moon
How does it make me sleep
Want to feel the heat of sun
How much does it burn
Want to see the pool of peace
Does the mind provide peace?
Want to see the fire of anger
How much does it burn all and sundry
Want to see everything
The ones that cannot be seen
The ones that do not come to thoughts
There is no good and bad in experience

Because experience is experience
Need to make my own path, all by myself
Whatever needs to be done, should be done
all alone
Whatever I want to become, to be done all
by myself
Wherever I need to go, I have to go all alone
Whatever I need to know, I have to know all
by myself
Within us, there resides our own emptiness
Our own light
Want to see that which is not seen
Want to think that which is not thought
Want to gain
Peace
Emptiness/nothingness
Silence
My own.

जिंदगी से प्रेम..

जिंदगी का जिंदगी से
प्रेम होना चाहिए
कौन कहता है
मौत ही अंजाम होना चाहिए
जिंदगी कभी मौत पर
समाप्त हो सकती है
कैसे ?
यह उल्टा हो कैसे जाएगा ?
जिंदगी मौत बन सकती है ?
असंभव है
जिंदगी तो और बड़ी जिंदगी बनाती है
जिंदगी तो जिंदगी ही बना सकती है

आम के पेड़ पर
आम लगते है
जीवन के पेड़ पर
मृत्यु के फल लग कैसे सकते है
और अगर तुमको
मृत्यु फल दिखता है
तो देखने मे गड़बड़ !
जीवन के पेड़ पर
जीवन ही फल है
मृत्यु तो कपड़े बदलने जैसी है
जिंदगी और बड़ी जिंदगी में प्रवेश करती है
कौन कहता है मौत ही अंजाम होना चाहिए
जिंदगी का जिंदगी से प्रेम होना चाहिए

Love for Life

Life should be in love with life
It is the necessity of life
Who says that death
Should be the eventuality
How could life find its end
In Death, how could it?
How it could be otherwise?
Can life become death?
It is impossible
Life makes bigger life
Out of its own webs
Life can be made only out of life
A mango tree, bears mangoes only

How could there be the fruits of
death
On a tree of life?
If you see the fruits of death
Then there is a problem in seeing!
In the tree of life the fruits
Can only be those of life
Death is like changing clothes
Life ushers in bigger life
Who says that death should be the
end of it all
Life should be love with life itself.

जो नहीं जी
सका,
अपने आप के
साथ
वो क्या
करेगा...? ?

? ? ?

आज मिला है एक मारने वाला ...सीधा

आज मारा है किसी ने
मारा है किसी ने सीधा
पर नकली है
हिम्मत नहीं उसमें,
करता रहा, नकली ही
मिलता रहा, नकली ही
मुझको क्या मारेगा,
असली सुनता नहीं, क्योंकि,
क्योंकि सुन नहीं सकता,
बोलता है क्योंकि बोलता ही है
जो लिखा इतिहास में,
रटता ही रहा
और भौंकता ही रहा
इतिहास क्या है, क्या है
चार लोग जो मर
गए है उनकी सोच
आज क्या है, आज क्या है
वर्तमान, वर्तमान
जो नहीं जी सका,

अपने आपके साथ
वो क्या करेगा,
इतिहास के साथ
हम में दम है,
इतिहास बनाने का
नदी की धारा को,
मोड़ने का
जीवन को जीवन से
जोड़ने का...
आज मारा है उसने
क्योंकि वो, स्वार्थी था,
कमजोर था, डरा हुआ था,
मिला हुआ था, हिला हुआ था,
लेकिन मैं जानता हूँ, के.......
मुझको बताया उसने
मुझको समझाया उसने
डर मत, चल,
चल यार तू चल सकता है
तू सह सकता है,
तू कह सकता है
लिख सकता है,
इतिहास नया
तुझ में है बात,
दिखाया उसने
आज मिला एक,
मारने वाला ...सीधा

Today I Met a Direct Hitter

Today someone made a pass at me
He hit me directly, very directly
But he was fake, he did not have the guts
He does dealing in fakes
He meets fake people
How can he hit me down?
He does not listen to the original
Because he cannot hear it patiently
He talks because he can only talk
What is there inscribed in history
He kept on repeating
And barking what he had learnt
What is history
Is it all about the thoughts of
Those three or four who are dead and gone
What is it today, what is today is present,
Present that has not been lived by himself
What he could do to me with history
I have the ability to make history

I could change the course of a river
The ability to join the thread of life with
life
He hit me today directly
Because he was selfish
He was weak, he was frightened,
He had joined hands with people
And was shaken to the hilt
But I know that...
He told me, he made me understand
Don't be afraid, come on
Come on, friend, you can make it
You can undertake this journey
You could speak about it
You could write a history, anew
You have stuff in you, he showed me
Today I met someone
Who could hit me directly.

जीवन

एक खेल

नाटक

समझ

अभिनय

कर

सिर्फ पर्दा उठता है

और पर्दा गिरता है

तू अपनी देख

तू क्या करता है !!!

जीवन एक खेल

जीवन एक खेल
खेल से ज्यादा मत ले
ज्यादा लिया तो
उलझे
नाटक समझ
अभिनय कर
अभिनय में क्या परेशानी
जो मिला है रोल
उसको मस्ती से कर
बस खेल समझके।
फंसना क्या....
सब नकली है
जो आज है
वो कल नही है
कल कभी आता नहीं
जीवन एक खेल
खेल से ज्यादा मत ले
ज्यादा लिया तो फंसे

रामलीला है...
रावण, राम, सीता
हनुमान, बन्दर, भालू, राक्षस
सब बनना पड़ता है
नाटक है भाई
पर्दा हटा
राम और रावण
सब बराबर
दोनो दोस्त
चाय या शराब वाले
दिन या रात वाले
सीता जी दोनो के बीच बैठी
ना कोई चुराने का सवाल
ना कोई बचाने का सवाल
सोने की लंका
है ही नही
क्या सच क्या झूठ
जीवन एक खेल

खेल से ज्यादा मत ले
ज्यादा लिया तो फंसे
जीवन एक रेल है
नाटक है
अभिनय कर
मस्ती से बिंदास
मत उलझ
कभी तू परदे के आगे
कभी तू परदे के पीछे
कभी तू राजा
कभी तू नौकर
मतलब क्या
आज तू जवान
कल तू बूढ़ा
आज तू हीरो
कल तू जीरो
अभिनय कर
जीवन एक खेल

अभिनय कर
सिर्फ पर्दा उठता है
और पर्दा गिरता है
तू अपनी देख
तू क्या करता है !!!
कैसे करता है
अपना अभिनय
जीवन का...
क्या मिलता है
तेरे को
पूर्ण शून्य !!!
क्या मिलता है
तेरे को
पूर्ण सुन्दरता !!!
जीवन एक खेल
खेल से ज्यादा मत ले
ज्यादा लिया तो फंसे

Life is a game
Do not take it more than that
If you take it you are gone
Just take it as a play act
What is the problem in acting
Play the role well that you have got
Just deem it as a game/play
Why get tangled....
Everything is fake
Whatever is there today
Is not seen tomorrow
Tomorrow does not come
Life is a game
Do not take it more than that
If you take it, you get caught
It is Ramlila....
Ravan, Ram, Sita
Hanuman, monkey, bear
Demons, you need to be everyone
Brother, it is just a play
Remove the curtain
You see both Ram and Ravan
One and the same, even friends
They may be tea-mates or bar mates
They could be friends of day or night
Sita sits in between them
No tussle of stealing her or saving her

There is no golden Lanka
What is truth and what is lie
Life is a game, a play
Do not take it more than it
If you do, you will get caught up
Life is a role, a play , just keep acting
Act it happily in abandon
Do not get frustrated
Sometimes you are before the curtain
And at times behind it
Sometimes you are a king
And sometimes a servant
What is the difference
Today you are young
Tomorrow you could be old
Today you are a hero
Tomorrow, you could be zero
Life is a play, a game
Just act
Curtain goes up and comes down
Just see what you are up to
How do you do the role of life
What you get is the reward of nothingness
What you get is the reward of perfect beauty
Life is a play, do not take it more than that
If you do, you are ensnared.

न समय हो
न अंहकार हो
न कोई बनने
की चाह
न कोई पाने की
चाह
न कुछ होने की
चाह
न कोई सोच
बस

शिव हो

अपने ही ख्यालो में खोया हुआ

अपने ही ख्यालो में खोया हुआ
मै दूसरो को पागल जैसा दिखाई देता हूं
मै संसार का स्वागत करने के लिए
अपनी बांहे फैलाकर खड़ा हूं
देखता हूं सुनता हूं सोचता नहीं
समझना चाहता नहीं
खड़ा हूं बांहे फैलाकर स्वागत करने के लिए...
थकूँगा नहीं जब तक तुम आओगे नही
मन में एक किरन है विश्वास की
विश्वास है अपने ख्यालों मे खाये रहने का
तुम आओगे जरूर संसार लेकर मेरे पास
इसमे कोई स्वार्थ नहीं इसमे कोई खेल नहीं
इसमे तो जीवन रस है मिलने की प्यास है
कैलाश की ऊचाईयाँ है मधुर संगीत है
जब मिलोगे तो फूल खिलेंगे
चांद ठण्डा हो जाएगा रात लम्बी हो जायेगी
समय रूक जायेगा... सब शांत हो जायेगा
सिर्फ तुम और मैं
ये संसार देखेगा प्यार करेगा
ये मिलन अनोखा होगा प्रेम से भरा होगा
जैसे हम पहले मिला करते थे
नि:स्वार्थ
इसमे छिपा है तू और मैं
ये बन रहा है
ये हो रहा है

ये होगा ही मिलन...
अपने ही ख्यालो में खोया हुआ
मै दूसरो को पागल जैसा दिखाई देता हूं
मै संसार का स्वागत करने के लिए
अपनी बांहे फैलाकर खड़ा हूं
मैं उनके साथ जीवन की नाव को
उस पार ले जाना चाहता हूं
जहां
न समय हो
न अंहकार हो
न कोई बनने की चाह
न कोई पाने की चाह
न कुछ होने की चाह
न कोई सोच
बस
शिव हो
इंतजार तेरा आने का
ऐतबार तेरा आने का
तू आयेगा
और प्रेम के साथ ले जायेगा
मै कुछ कह भी नहीं पाउंगा
कुछ सोच भी नही पाउंगा
क्योंकि मैं तो खड़ा हूं
अपने ख्यालों में खोया हूं
मैं दूसरों को पागल जैसा दिखाई देता हूं

I am Lost in my own Thoughts

I am lost in my own thoughts
And seen as insane before others
To welcome the universe
I stand with my hands spread out
I see and listen but I do not want to
Think nor do I want to understand
Just stand there with hands spread out
To receive....
I will not be tired till you do not come
I have a ray of hope in my mind
I have the faith to remain lost in my thoughts
You would come, definitely, with
The universe in your hands
There is no selfishness in it
Nor there any frivolity
There is the essence of life
And the thirst to meet it
There are the peaks of mount Kailash
There is a sweet lingering music
When we meet flowers will bloom
Moon will turn cold and night will prolong
Time would stand still ...
Everything will be in peace
Just you and me
The universe will look at us and love us
This meeting will be wonderful

Will be filled with love
Just like the way we used to meet initially
Selflessly; in it hidden are you and me
This is happening and it is in the making
This meeting will definitely happen..
I am lost in my own thoughts
And am seen insane before others
I am here standing with hands spread out
In order to welcome the universe
I want to take the boat of life
To the other shore with others
Where there is no time, no pride
Nor there is the desire to become
Nor there is the need to gain
Nor there is a need to be something
No thoughts, just to become Shiv
I am waiting for your arrival
I am sure that you would come
You will come;
And will take me away with love
I will not be able to say anything
Will not able to think something
Because I am here standing
I am lost in my own thoughts
And am seen insane before others.

बच्चे
चिड़िया
के

मेरे स्टूडियो के
सामने वाले पेड़ पर
एक चिड़ियां अपने
दो बच्चों को बड़ा कर रही थी..
रोज बच्चे बड़े होते
घोंसलें में
एक दिन जब बच्चें पहली बार
घोंसलें से बाहर निकले
मैं उनको देख रहा था
दोनों बैठ गए
पेड़ की शाख पर
डरते हुए सोचते विचारते
आगे कदम....
बढ़ाए की नहीं
उनकी मां उनको
दूर से आवाज दे रही थी
चीं चीं.... चीं चीं ....
बच्चों ने कभी पंख खोले भी नहीं थे
सोचते बच्चे !!!
उड़ पायेंगे हम या नहीं
पंख खोलेगें या नही
घबराते
पीछे लौटकर देखते
घौंसले को...

दूर से मां बुलाती
चीं-चीं चीं-चीं
मां को देखते
घोंसले को देखते
मगर मां बुलाती
विश्वास से
बुलाए जाती, बुलाए जाती
मां के विश्वास में
धीरे धीरे पंख फैलाए
थोड़ी दूर हुए घौसलें से
थोड़ा भरोसा बड़ा
थोड़े पंख मारे हवा में
फिर लौट आये
थोड़ा और भरोसा बड़ा
फिर उड़ गये
तब से पता नही
घौंसला तो है, पर बच्चे नहीं
बच्चें भी हिम्मत जुटा लेते है
आकाश में उड़ने की
एक दिन पुराना तो छोड़ना है
आज क्यों नहीं ?
नये में थोड़ा दु:ख तो है
वो जो बच्चे थे चिड़ियां के...
जो उड़ गये

क्या डरे नहीं होगें
तेज हवा के झोंको से
रात बारिश हुई
बैठे है, बिना घोंसलें के
पंख भीग गये होंगे
ठण्ड लगती होगी
क्या घोंसला ही अच्छा था ?
लेकिन हवा में उड़ते है
सब दर्द, ठण्ड भूल जाते है
बच्चे चिड़िया के
मां के साथ उड़ते बच्चे चिड़िया के
जो कीमत चुकाता है
वही पाता है
नया....
नये के साथ दर्द भी अच्छा
पुराने के साथ आराम मगर
धीरे-धीरे आत्महत्या
और कुछ नहीं
क्या है छोड़ने को
क्या मिट जायेगा
पाया ही कुछ नही
तो छूटेगा क्या ?
इसलिए खोजो
और तब तक खोजो

और खोजो
विश्वास के साथ
अपने पंख
उड़ने को हवा में ...
नये का दर्द भी अच्छा
पुराना तो बस आत्महत्या
इससे पहले बन जाये आदत पुराना
कुछ करो
कुछ जागो
कुछ साहस जुटाओ
नये के साथ जाने को साहस
अज्ञात में उतरने की हिम्मत
जैसे चिड़ियां के बच्चे उड़ते
जैसे बच्चा मां का गर्भ छोड़ता है
नये के साथ हारने में भी जीत
पुराने के साथ जीतने में भी हार
ये कोई गणित नहीं
ये तो अनुभव है
जो पाएगा नया
उसी को मिलेगा उड़ने का अनुभव...
तू रह बस
नये के लिए
तैयार और उत्सुक हमेशा
विकाश

Chicks of a Bird

In a tree right in front of my studio
A bird was raising its own chicks
In the nest the chicks grew up day by day
One day when the chicks came out
Of the nest for the first time
I was looking at them
They just sat on a branch, frightened
Thoughtful and restless, in trepidation..
They could not make the steps forward.
Their mother was calling out from a distance
Chee chee chee..
The chicks had not even opened their wings
They kept on thinking....
Would we be able to fly or not
Would our wings open or not
Frightened they looked back at their nest
From a distance the mother was still calling
Chee chee chee chee
They looked at the nest
They looked at the bird
But the mother was calling in trust
She kept on calling and calling
They spread their wings
Trusting the call of their mother
They just moved a little bit away from the nest
Confidence rose a bit and they opened the wings
They rose up in the air, and ...they came back
Confidence just grew...and they flew
Since then I do not know, the nest is there
But where are the birds
Kids also muster up courage
To spread their wings and fly up in the sky
One day one has to leave the old
Then why not today?
There is pain in the new
Those children of the bird who have flown away
Wouldn't they be afraid?
Won't they be frightened by the blowing winds

It rained at night
They must be sitting without their nest
Their wings must be drenched
They must be feeling cold
What if they were still in the nest,
Wouldn't it have been really good?
But when one flies in the air
All pain and cold are forgotten
Chicks of the bird
The ones who fly with their mother
They also pay their price and gain their life
Those who pay their price gain theirs...
With the new pain is also good
However, peace is with the old
Slow suicide, nothing else
What is there to leave
What will be erased
When nothing is earned
How do you say something is lost?
So search it, and search it
With all your trust
Till you could spread your wings....
Even the pain of new is good
Old is nothing but suicide
Before it becomes a habit
Do something and wake up
Do some adventures
The adventure of going with the new
The courage to go into the unknown
The way the kids of the bird fly away
The way children leave their mothers' home
Even the failure becomes victory with the new
But even the victory is a failure with the old
This is not an imagination but experience
Those who gain the new
Would gain the knowledge of flying ...
You just live for the new
Prepared and enthusiastic always

Final thoughts

Well, you've got to draw the line somewhere.

© 2014 ? ? ? ? ?
All rights reserved
Printed and bound in India
at www.archanapress.com

No part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted in any form or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise), without the prior written permission of both the copyright owner of this book.